

सरयूपारीण पुं. (तद्.) सरयू पार के रहने वाले, सरयूपारीण ब्राह्मण।

सरर पुं. (तद्.) 1. सरकंडा, सथिया, सतगार 2. बाँस का सरकंडे की पतली छड़ी जिस का प्रयोग जुलाहे ताना ठीक करने के लिए करते हैं।

सरराना अ.क्रि. (देश.) हवा बहने या हवा में किसी वस्तु के चलने का शब्द होना सरसराना।

सरल वि. (तत्.) 1. जो एक किनारे से दूसरे किनारे सीधा चला गया हो और बीच में कहीं टेड़ा या मुड़ा न हो 2. सीधा, ऋजु 3. भोला-भाला, कपट रहित, सीधा-सादा 4. ईमानदार और सच्चा 5. आसान, जिसे करने में कोई कठिनाई न हो 6. जिसको याद करने या समझने में कोई कठिनाई न हो ऐसा पाठ या विषय 7. असली, खरा पुं. 8. अग्नि 9. चीड़ का पेड़ 10. चीड़ का गोंद, गंधा बिरोजा 10. एक प्रकार का पक्षी 11. गौतम बुद्ध का एक नाम।

सरल काष्ठ पुं. (तत्.) चीड़ की लकड़ी।

सरलता स्त्री. (तत्.) 1. सरल होने की अवस्था, गुण या भाव 2. चरित्र, व्यवहार या स्वभाव में सीधापन, निष्कपटता, भोलापन 3. ईमानदारी, सच्चाई 4. आसानी, सुगमता।

सरल द्रव पुं. (तत्.) 1. गंधा बिरोजा 2. तारपीन का तेल, सरल निर्यास, सरल रस।

सरल निर्यास पुं. (तत्.) दे. सरल द्रव।

सरल रस पुं. (तत्.) दे. सरल द्रव।

सरला स्त्री. (तत्.) 1. चीड़ का पेड़ 2. काली तुलसी 3. मोतिया, मल्लिका 4. सफेद निसोथा।

सरलित वि. (तत्.) सरलीकृत, सीधा या सहज किया हुआ।

सरलीकरण पुं. (तत्.) किसी कठिन कार्य, प्रक्रिया, विषय, भाव आदि को सरल बनाने की क्रिया जैसे- भाषा का सरलीकरण, वैज्ञानिक प्रक्रिया का सरलीकरण।

सरलीकृत वि. (तत्.) जिसे सरल, आसान, बोधगम्य बनाया गया हो, जिसकी जटिलता दूर कर दी गई हो।

सरव वि. (तत्.) जिसमें रव या शब्द या ध्वनि हो, शब्द या ध्वनि करता हुआ।

सरवत स्त्री. (अर.) अमीरी, संपन्नता।

सरवती स्त्री. (तत्.) वितस्ता नदी।

सरवन पुं. (तद्.) अंधक मुनि के पुत्र श्रवण कुमार जो अपने पिता को काँवर में बिठाकर ढोया करते थे।

सरवनी स्त्री. (देश.) सुमरनी, जप माला।

सरवर पुं. (फा.) सरदार, अधिपति, नायक।

सरवरिया वि. (तद्.) सरयूपार या सरवार का, सरयूपारी ब्राह्मण।

सरवरी स्त्री. (फा.) सरवर अर्थात् सरदार, नायक होने की अवस्था या भाव, सरदारी, नायकत्व।

सरवा पुं. (देश.) 1. कटोरा 2. कसोरा पुं. साला (गाली के रूप में)।

सरवारि स्त्री. (तत्.) सदृश्यता, बराबरी, तुलना, समता।

सरस वि. (तत्.) 1. रस वाला, रस अर्थात् जल या किसी अन्य द्रव पदार्थ से युक्त 2. हरा और ताजा 3. किसी की तुलना में अधिक अच्छा 4. रोचक, कोई रचना जो भावमयी हो तथा जिसमें पाठक के मन में भाव या रुचि जगाने की शक्ति हो 5. रसिक, सदृश्य 6. सुन्दर, मनोहर पुं. तालाब, जलाशय।

सरसई स्त्री. (तद्.) सरसों, फल के छोटे अंकुर या दाने जो पहले दिखाई पड़ते हैं स्त्री. सरस्वती (देवी और नदी दोनों) सरसता।

सरसता स्त्री. (तत्.) 1. रसयुक्त होने की अवस्था, गुण या भाव 2. रचना आदि का वह गुण जिसमें वह बहुत ही भावमयी और प्रिय लगती है 3. व्यक्ति में रस ग्रहण करने की शक्ति, क्षमता 4. रसिकता, मधुरता।